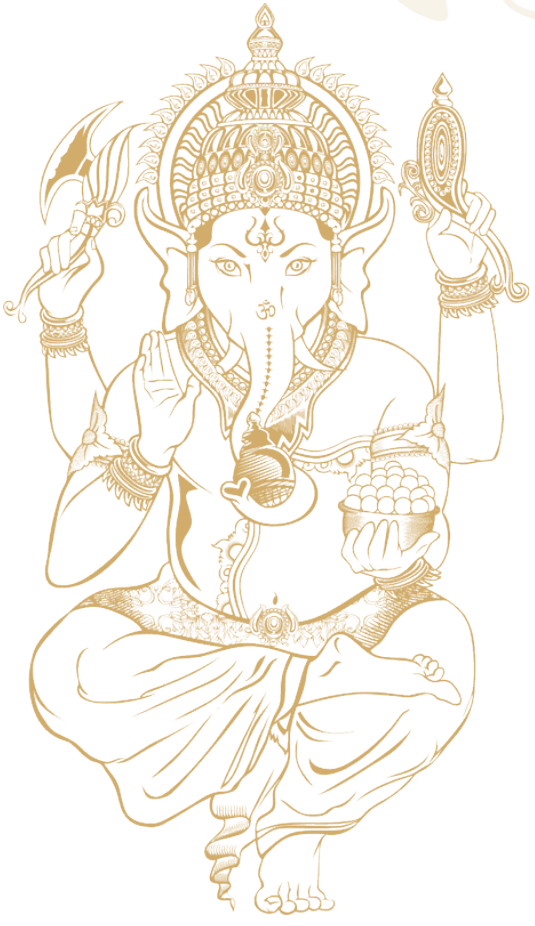

Hitesh Singh

28 Apr 1993

03:45 PM

Jodhpur City

Model: web-freekundliweb

Order No: 121292902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/04/1993**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:45:00 घंटे**
इष्ट	24:14:19 घटी
स्थान	**Jodhpur City**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:17:12 उत्तर
रेखांश	73:01:48 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:53 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:07:07 घंटे
वेलान्तर	00:02:30 घंटे
साम्पातिक काल	05:32:42 घंटे
सूर्योदय	06:03:16 घंटे
सूर्यास्त	19:07:57 घंटे
दिनमान	13:04:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:22:11 मेष
लग्न के अंश	00:06:38 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	धृति
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:06:38	323:45:05	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मेष	14:22:11	00:58:19	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	00:19:34	13:33:22	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
मंगल			कर्क	06:26:30	00:28:37	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मीन	26:11:56	01:44:55	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	12:38:36	00:05:39	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	10:36:57	00:12:55	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			कुंभ	05:05:54	00:03:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:50:48	00:01:05	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:50:48	00:01:05	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	28:25:18	00:00:06	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		धनु	27:22:35	00:00:11	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	00:49:28	00:01:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			वृष	29:58:09	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:05

लग्न-चलित

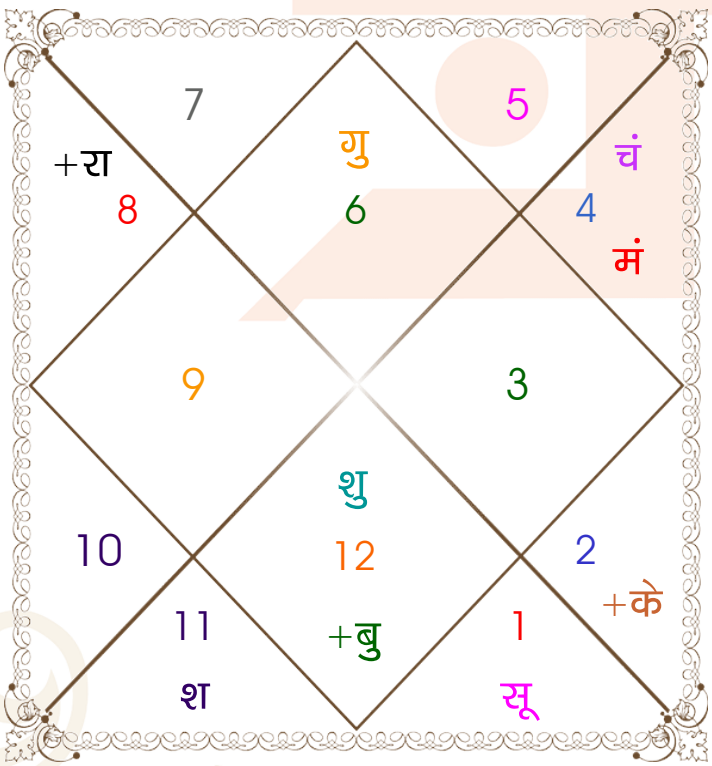

चन्द्र कुंडली

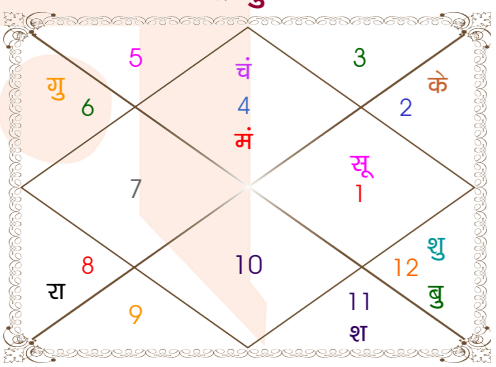

नवमांश कुंडली

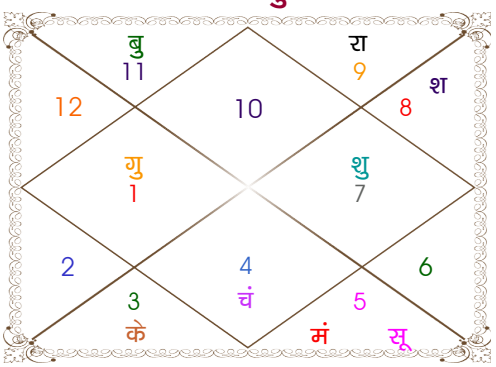

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 7 मास 9 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/04/1993		06/12/1996		07/12/2015		06/12/2032		07/12/2039	
06/12/1996		07/12/2015		06/12/2032		07/12/2039		07/12/2059	
	00/00/0000	शनि	10/12/1999	बुध	05/05/2018	केतु	04/05/2033	शुक्र	07/04/2043
	00/00/0000	बुध	19/08/2002	केतु	02/05/2019	शुक्र	05/07/2034	सूर्य	07/04/2044
	00/00/0000	केतु	28/09/2003	शुक्र	02/03/2022	सूर्य	09/11/2034	चंद्र	06/12/2045
	00/00/0000	शुक्र	28/11/2006	सूर्य	06/01/2023	चंद्र	10/06/2035	मंगल	06/02/2047
	00/00/0000	सूर्य	10/11/2007	चंद्र	07/06/2024	मंगल	07/11/2035	राहु	05/02/2050
	28/04/1993	चंद्र	10/06/2009	मंगल	04/06/2025	राहु	24/11/2036	गुरु	06/10/2052
चंद्र	07/08/1993	मंगल	20/07/2010	राहु	22/12/2027	गुरु	31/10/2037	शनि	07/12/2055
मंगल	14/07/1994	राहु	26/05/2013	गुरु	29/03/2030	शनि	10/12/2038	बुध	07/10/2058
राहु	06/12/1996	गुरु	07/12/2015	शनि	06/12/2032	बुध	07/12/2039	केतु	07/12/2059

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/12/2059		06/12/2065		07/12/2075		07/12/2082		07/12/2100	
06/12/2065		07/12/2075		07/12/2082		07/12/2100		00/00/0000	
सूर्य	26/03/2060	चंद्र	07/10/2066	मंगल	04/05/2076	राहु	19/08/2085	गुरु	25/01/2103
चंद्र	24/09/2060	मंगल	08/05/2067	राहु	23/05/2077	गुरु	13/01/2088	शनि	08/08/2105
मंगल	30/01/2061	राहु	06/11/2068	गुरु	29/04/2078	शनि	18/11/2090	बुध	14/11/2107
राहु	25/12/2061	गुरु	08/03/2070	शनि	07/06/2079	बुध	07/06/2093	केतु	20/10/2108
गुरु	13/10/2062	शनि	07/10/2071	बुध	04/06/2080	केतु	25/06/2094	शुक्र	21/06/2111
शनि	25/09/2063	बुध	08/03/2073	केतु	31/10/2080	शुक्र	25/06/2097	सूर्य	08/04/2112
बुध	31/07/2064	केतु	07/10/2073	शुक्र	31/12/2081	सूर्य	20/05/2098	चंद्र	29/04/2113
केतु	06/12/2064	शुक्र	07/06/2075	सूर्य	08/05/2082	चंद्र	19/11/2099		00/00/0000
शुक्र	06/12/2065	सूर्य	07/12/2075	चंद्र	07/12/2082	मंगल	07/12/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 6 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।